लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2792
10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

समर्थ 2.0 के अंतर्गत शिक्षण संस्थान

2792. श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
डॉ. लता वानखेड़े:
श्री अतुल गर्ग:
श्रीमती शांभवी:
श्री अरुण भारती:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या समर्थ 2.0 के अंतर्गत उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच किसी प्रकार के सहयोग से बाजार की मांग के अनुरूप कौशल विकास सुनिश्चित होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या प्रशिक्षण अवसंरचना और इसके पाठ्यक्रम के उन्नयन से वस्त्र मूल्य श्रृंखला में कार्यबल की उत्पादकता में सुधार होगा;

(ग) क्या बेहतर कौशल विकास की पहलों से विशेषकर श्रम प्रधान वस्त्र क्षेत्र में युवाओं, विशेषकर महिलाओं के बीच रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी;

(घ) क्या आधुनिकीकृत प्रमाणन और उद्योग से संबद्ध प्रशिक्षण मॉडल सागर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में कार्यरत भारतीय वस्त्र कामगारों की वैश्विक रोजगार क्षमता के मानकों में वृद्धि करेंगे;

(ङ) क्या समर्थ 2.0 के माध्यम से मानव पूंजी को सुदृढ़ करने से वैश्विक वस्त्र बाजारों में मूल्यवर्धन और दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (च): जी हां, माननीया वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के बजट भाषण में अनुच्छेद 22 (ई) के तहत समर्थ-2.0 की घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से टेक्सटाइल स्किलिंग इकोसिस्टम का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना है, ताकि वस्त्र मूल्य श्रृंखला में उत्पादकता में सुधार हेतु प्रशिक्षण अवसंरचना और पाठ्यक्रम को अपग्रेड करके कौशल विकास बाजार की मांग के अनुरूप बना रहे। कौशल विकास पहलों में महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है ताकि श्रम प्रधान वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकें।

समर्थ-2.0 का उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र में एंड-टू-एंड स्किलिंग को बढ़ावा देने के लिए संगठित क्षेत्र, पारंपरिक क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थान को एक समान फ्रेमवर्क के तहत एकीकृत करना है।

समर्थ-2.0 के मुख्य उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

i. उद्योग की बदलती आवश्यकताओं और वैश्विक मानकों के अनुसार माँग आधारित स्किलिंग इकोसिस्टम विकसित करना।
ii. टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड और आउटकम-बेस्ड ट्रेनिंग के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखला में श्रमशक्ति की अपस्किलिंग और रीस्किलिंग करना।
iii. संरचित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के ज़रिए औद्योगिक-शैक्षणिक समन्वय को सुदृढ़ करना।
iv. पारम्परिक वस्त्र पद्धतियों का संरक्षण करते हुए उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी को अपनाने को बढ़ावा देना।
v. आधुनिक मशीनरी, डिजिटल क्लासरूम और प्रयोगशालाओं के साथ शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण अवसंरचना को अपग्रेड करना।
vi. महिलाओं पर विशेष रूप से केंद्रित विशेषकर श्रम प्रधान और पारंपरिक वस्त्र क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाना।

****